University in News on 13 April 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : स्नातक की प्रवेश परीक्षा जून में

सत्र पटरी पर लाने की कवायद, तैयारी पूरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीते वर्ष से सीख लेते हुए इस साल शैक्षणिक सत्र समय से शुरू करने की कार्ययोजना बनाई है। इसके मुताबिक जून में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा होगी। तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्नातक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा 15 से 25 जून के बीच कराए जाने की योजना है। जुलाई के पहले सप्ताह में प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया जाएगा। परास्नातक विषयों की प्रवेश परीक्षा 1 से 10 जुलाई के बीच प्रस्तावित है। विवि में स्नातक और स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 29 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू है। इनमें आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई है।

अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। सभी में प्रवेश शुल्क अलग-अलग हैं। विवि में स्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 4250 सीटें और पीजी के 73 पाठ्यक्रमों में 5102 सीटें हैं। इसमें प्रवेश के लिए 10 जून तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

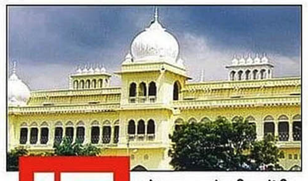

15 से 25 जून के बीच होंगी विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाएं

शैक्षणिक सत्र समय से शुरू हो इसके लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। प्रयास है कि प्रस्तावित तिथियों में ही प्रवेश परीक्षा और काउंसिलिंग हो जाए।
– प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

10 जुलाई से होगी काउंसिलिंग

- कार्ययोजना के हिसाब से अगर प्रवेश परीक्षा और परिणाम समय से जारी हो जाते हैं तो 10 जुलाई से काउंसिलिंग शुरू हो जाएगी। विवि की तीन चरणों में काउंसिलिंग कराने की योजना है। पहला चरण 10 से 14 जुलाई, दूसरा चरण 16 से 21 जुलाई और तीसरा चरण 25 से 31 जुलाई के बीच होगा।

दाखिले के लिए सीयूईटी मई में

- गत शैक्षणिक सत्र में सीयूईटी (सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) का समय पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी न करना शिक्षण संस्थानों में सत्र के पिछड़ने का बड़ा कारण बना था। इसलिए सीयूईटी ने भी प्रवेश प्रक्रिया समय से पूरी हो इसके लिए योजना बनाई है। सीयूईटी 15 मई से 31 मई के बीच प्रस्तावित है। जून के दूसरे सप्ताह में आंसर की जारी होगी और 30 जून को परिणाम घोषित होंगे।

विद्यार्थियों ने सीखी अदालती कार्यवाही

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इसमें 32 लॉ कालेजों की टीमें शामिल हो रही हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने लाइव कोर्ट की कार्यवाही और कार्यप्रणाली समझी। मुख्य अतिथि अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत ने मूट कोर्ट के इतिहास पर प्रकाश डाला। संकायध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने पेशे के व्यावहारिक पहलुओं को समझाया। इस मौके पर प्रो. आरके सिंह, डॉ. राधेश्याम सिंह, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. वरुण आदि उपस्थित रहे। (संवाद)

पोर्टल पर कर्मचारियों का डाटा अपलोड होगा

लखनऊ। एलयू के मुख्य परिसर में कार्यरत सभी कर्मचारियों का डाटा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। इसकी अंतिम तिथि 15 अप्रैल है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि डीटीपी अनुभाग को सभी डाटा उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। शासन के निर्देश पर सभी कर्मचारियों का डाटा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करना है।

NBT PAGE 6

'कानून सबसे उत्तम व्यवसायों में से एक'

■ एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में मूट कोर्ट असोसिएशन की ओर से शुक्रवार से तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता शुरू हुई। इस दौरान अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत ने मूट कोर्ट के इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि कानून सबसे उत्तम व्यवसायों में से एक है। संकायाध्यक्ष प्रो. बंशीधर सिंह ने कहा कि मूट कोर्ट का उद्देश्य लॉ स्टूडेंट्स की कानूनी कुशाग्रता तेज करना है। प्रतियोगिता में एलयू के विधि संकाय के साथ अन्य कॉलेजों की 32 टीमों ने हिस्सा लिया।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में तीन दिवसीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता

लखनऊ। एलयू में मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत रहे। उन्होंने 1870 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय से शुरू होने के बाद से मूट कोर्ट के इतिहास पर बात की। मूट कोर्ट की शुरुआत भारत में बार कौंसिल ऑफ इंडिया ने 1981 में की थी। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मेमोरियल का मसौदा तैयार किया जाए और अदालतों में मामलों की पैरवी की जाए। विशिष्ट अतिथि शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कानून सबसे उत्तम व्यवसायों में से एक है। इसका अभ्यास लिए नहीं बल्कि समाजसेवा के उद्देश्य से करना चाहिए।

मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड होगा कर्मचारियों का ब्योरा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों व अधिकारियों की तरह अब लखनऊ विश्वविद्यालय के भी कर्मचारियों का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड होगा। इस संबंध में विश्वविद्याल के कुलसचिव डॉ विनोद कुमार ने शुक्रवार को आदेश जारी कर दिया है। कुलसचिव ने कहा कि आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा। सभी कर्मचारियों को ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य है। ऐसे में विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में कार्यरत सभी कर्मचारियों पर ये आदेश लागू होगा। इसके लिए अंतिम तिथि 15 अप्रैल तय की गई है। कुलसचिव ने उन्होंने बताया कि डीटीपी अनुभाग को सभी डाटा उपलब्ध कराने के आदेश दिए गए हैं। शासन के निर्देश पर सभी कर्मचारियों का डाटा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करना है। जिन कर्मचारियों का डाटा अपलोड नहीं होगा उनका वेतन भी रुक सकता है। उन्होंने कहा कि डाटा अपलोड कराने में कर्मचारियों को भी सहयोग करना होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

नवोदित वकीलों के लिए मूट कोर्ट प्रतियोगिता जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि से संबद्ध विधि महाविद्यालयों सहित 32 टीमें हो रहीं शामिल

अमृत विचार : किसी भी विधि शिक्षण संस्थान में मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन होना अनिवार्य है क्योंकि ये देश के वकीलों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है। इससे विधि छात्रों को अपने सार्वजनिक बोलने के कौशल को सुधारने, प्रेरक तर्क विकसित करने और अपने पैरों पर खड़े होकर सोचने व सीखने की क्षमता को विकसित करता है।

ये बात लखनऊ विश्वविद्यायल के द्वितीय परिसर में शुक्रवार को शुरू हुई अंतर महाविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दौरान विधि संकाय के अधिष्ठाता व प्रोफेसर बंशीधर सिंह ने कही। इस प्रतियोगिता में लविवि से संबद्ध महाविद्यालयों की 32 टीमें भाग ले रही हैं। प्रोफेसर बंशीधर ने कहा मूट कोर्ट का उद्देश्य नवोदित वकीलों की कानूनी कुशाग्रता को तेज करना और उन्हें पेशे के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना है।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि छात्र जटिल कानूनी मुद्दों का विश्लेषण कर सके इसमें मूट कोर्ट प्रतियोगिता काफी सहायक होती है। विशिष्ट अतिथि शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि कानून सबसे उत्तम व्यवसायों में से एक है और इसका अभ्यास समाजसेवा के उद्देश्य से करना चाहिए, न कि केवल धन के लिए। अंत में, मुख्य अतिथि अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत ने 1870 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय से शुरू होने के बाद से मूट कोर्ट के इतिहास पर प्रकाश डाला। मूट कोर्ट की शुरुआत भारत में बार कौंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 1981 में की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मेमोरियल का मसौदा तैयार किया जाए और अदालतों में मामलों की पैरवी की जाए।

मूट कोर्ट प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्रा व उपस्थित अतिथि।

LOKSATYA PAGE 3

अंतर-महाविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लखनऊ,लोकसत्य।

प्रतियोगिता

- **लखनऊ विश्वविद्यालय के सेकेंड कैंपस में आयोजन**

लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन 12 से 14 अप्रैल तक अंतर-महाविद्यालय मूट कोर्ट प्रतियोगिता हुई। विश्वविद्यालय के विधि संकाय के साथ सम्बद्ध विधि महाविद्यालयों की 32 टीमें इसमें भाग ले रही हैं।

उद्घाटन में अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह राजावत मुख्य अतिथि थे। अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि थे। प्रमुख एवं अधिष्ठाता, विधि संकाय प्रो. बंशीधर सिंह, निदेशक, नवीन परिसर प्रो. राकेश कुमार सिंह, शिक्षक समन्वयक, लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन डॉ राधेश्याम प्रसाद और विधि संकाय के अन्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम छात्र संयोजक हेमंत पांडेय, आदित्य गौतम, सृजन पाण्डेय, सिमर प्रीत कौर, सिद्धांत राज, आकाश बाजपेयी, वर्षा सिंह और लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन के अन्य छात्र सदस्यों ने किया। डॉ राधेश्याम प्रसाद ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत और अभिनंदन किया।

TOI PAGE 3

Short courses now for foreign students at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University is planning to introduce short-term courses for foreign students. Currently, LU offers regular full-time undergraduate and postgraduate courses.

According to LU officials, the decision has been taken to provide foreign students with more study options and improve the financial condition of the university through fees.

"LU had offered a short-term course in Persian language which received a good response from students. We are planning to offer certificate courses in languages to our foreign students," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said plans were afoot to introduce certificate courses in Arabic, Hindi, English, and Sanskrit, among others. "This decision will give a double benefit to the university. We will have more diversity among foreign students and it will support us financially since the fee of foreign students is more than Indian students," he said.

Over a hundred foreign students are enrolled in different LU courses and their fee amounts to around Rs 2 crore.